

लाओ लाओ हनुमान संजीवनी

लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,
लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,

श्री राम की आँखों से आंसू बहे,
उठ खड़ा हो तुझे श्री राम कहे,
तीनो लोकों में यूँ खलबली मच गई,
देखो अम्बर में है घनघोर घटा,
लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,

मेघनाथ ने शक्ति चलाई ऐसी,
यूँ धरा पर पड़ा आज रघुकुलवंशी,
मैं भी मर जाऊँ सुन आज तेरे बिना,
मुझको उठ के तू जल्दी गले से लगा,
लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,

इतनी सुनकर हनुमान उड़ने लगे,
जाके पर्वत पे फिर भयभीत हो गए,
माया फैली वहां पे थी लंकेश थी,
एक जैसा ही सबकुछ था दीखता वहां,
लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,

पूरा पर्वत उठाके हनुमान जी,
झट लंका में पहुँचे थे बलवान जी,
देख हनुमान को सब उछलने लगे,
'सोनू शर्मा' कहे फिर लखन जी जगा,
लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,

लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,
लाओ लाओ हनुमान संजीवनी,
मेरा लक्ष्मण भ्राता जर्मी पर पड़ा,

<https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/3156/title/laao-laao-hanuman-sanjiwani-mera-lakshman-brata-jamen-par-pada>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |